



‘ପରମ’  
ବାଣିଜ୍ୟକାରୀ  
ଶ୍ରୀକଷେତ୍ର

ଶ୍ରୀକଷେତ୍ର ମେଲିମାଳା ନଗରୀ, ଭୁବନେଶ୍ୱର ।



802023

# କାନ୍ତିଶାଲ କୁଣ୍ଡଳିକା

ପଞ୍ଚମ·ପଞ୍ଚମ·ପଞ୍ଚମ·ପଦି·କୁଣ୍ଠ·ଅନ୍ତର·ଶ୍ରୀଷ·ପଞ୍ଚମ।

ଶି·ଶିର·ଶି·ଶିରା·ଦୟ·ଶିର·ଶିରା·।

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତପ୍ରକାଶନ

ପଞ୍ଚମ ପତ୍ର ପଞ୍ଚମ ପତ୍ର ପଞ୍ଚମ ପତ୍ର

ଶ୍ରୀରାଧାକୃତି ପଞ୍ଚମ ପତ୍ର

ଶ୍ରୀରାଧାକୃତି ପଞ୍ଚମ ପତ୍ର

ଅଧ୍ୟାତ୍ମିକ ପଞ୍ଚମ ପତ୍ର

ନିବିରାଜ : ISBN 7 — 5409 — 0181 — 0 / K • 32

ନିବିରାଜ : 1.24

责任编辑：央 娜  
封面设计：蒋光年  
整理者：四川民族研究所  
四川少数民族古籍办  
技术设计：李明德

**扎西吉澤傳** 格桑登巴降泽著

---

四川民族出版社 (成都盐道街三号)

---

四川省新华书店发行 雅安民族印刷厂印刷

---

开本787×1092 1/32 印张3.625 字数：64千

---

1988年11月第一版 1988年11月第一次印刷

---

书号ISBN7-5409-0181-0/K·32 定价：1.24元

# ଓ'ব'ধ'য'দ'ি'য'ক'ল'গ'দ'ৰ'ম'স'ল'

শু. ঘ. মঙ্গল. পতেন. পশ্চিম. পরি. কৃত্য. অক্ষয়. (1897—1959)

অক্ষয়. বি. নব. সৈন্য. র্যান্ড. অর্থা. শুভ. পশ্চিম. পুরুষ. অ. কৃত্য. সীমা.....  
বাহি. দ.। প্রাণ. কে. সৈন্য. পশ্চিম. পুরুষ। পুরুষ.....  
পুরুষ. পর্য. পরি. পে. পুরুষ. শুভ. পশ্চিম। কৃত্য. কৃত্য. পুরুষ.....  
সৈন্য. পশ্চিম. কৃত্য. শুভ. পরি. অক্ষয়. পি. শি. রবী. সৈন্য. শুভ.....  
শুভ. অক্ষয়. ন. কে. পে. পে. পুরুষ। পশ্চিম. পুরুষ.....  
শুভ। শুণ. পুণ. হেন. নোব. কৃত্য. অপুরুষ. ধ. পশ্চিম. কৃত্য. পক্ষ.....  
পুরুষ. পুরুষ। অক্ষয়. কৃত্য. পরি. দেবি. পুরুষ. পুরুষ. পুরুষ. পুরুষ.....  
পরি. শুভ. পরি. শুভ। পুরুষ. পুরুষ.....  
অপ. শুভ. পুরুষ। এন্ড. কে. সুন্দুর. কে. সুন্দুর। পুরুষ. পুরুষ. পুরুষ.....  
পুরুষ. পুরুষ। পুরুষ. পুরুষ। পুরুষ. পুরুষ। পুরুষ. পুরুষ। পুরুষ.....  
অক্ষয়. কৃত্য। পুরুষ। পুরুষ। পুরুষ। পুরুষ। পুরুষ। পুরুষ। পুরুষ।

2AB59/38



ଶ୍ରୀବିଦ୍ଯାଲ୍ମପାତ୍ରାନ୍ତିକାଂତିକାଂ  
ଦର୍ଶନକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂ  
ଶ୍ରୀବିଦ୍ଯାଲ୍ମପାତ୍ରାନ୍ତିକାଂତିକାଂ  
ଦର୍ଶନକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂ  
ଶ୍ରୀବିଦ୍ଯାଲ୍ମପାତ୍ରାନ୍ତିକାଂତିକାଂ  
ଦର୍ଶନକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂ  
ଶ୍ରୀବିଦ୍ଯାଲ୍ମପାତ୍ରାନ୍ତିକାଂତିକାଂ  
ଦର୍ଶନକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂ  
ଶ୍ରୀବିଦ୍ଯାଲ୍ମପାତ୍ରାନ୍ତିକାଂତିକାଂ  
ଦର୍ଶନକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂ

ଶ୍ରୀବିଦ୍ଯାଲ୍ମପାତ୍ରାନ୍ତିକାଂତିକାଂ  
ଦର୍ଶନକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂତିକାଂ

१८७८ यमुना सील कुल वक्तव्य श्री हरि प्रसाद

## ॥ विहीनशाश्वादुद्गमस्थामित्रिकावृत्ति

अथ उही अहं न श्री राम श्लोकी श्रुते न हैं

अथ इष्टुवश्वरक्षुप्यद्यम्बद्धकेवर्षयामीष्टुप्यवर्क्ष

महायूर्वधरमङ्गलोद्घाणीहुयाधिमेदा

य श्रुतुमहार अक्षय कुर्वते तु शुर्वर्ष गु

द्यप्यवर्षर्षीर्षाप्यहुद्युम्बाप्यन्वेष्टवर्क्ष

लोजास्त्वयनाधिक्षिविहित्वा ॥

परामर्थवर्षद्यापर्क्षविष्टुप्यविष्टुप्य



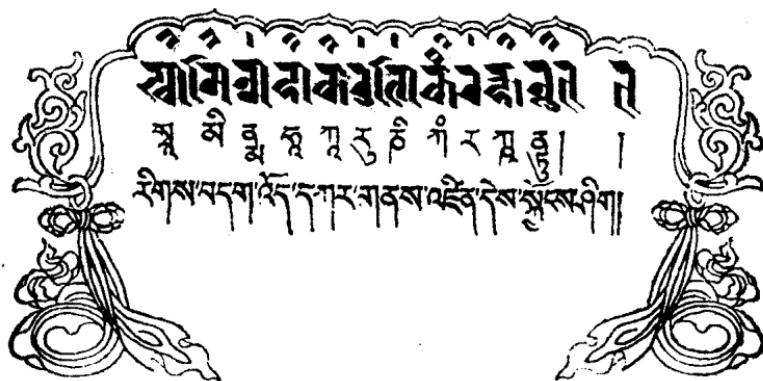
ଶ୍ରୀ କୃତ୍ତବ୍ୟାମି ପଦମୁଖ ।

मृपसुर्वासवीभूत्यपर्विक्षया पिण्डसुर्वात्यस्त्रावाप्त्वा विद्युतः

द्वारा राखेयकामादयगुणवाह  
अथ अक्षिंशु गुरुं सर्वं न्यु युक्तं  
अथ क्षमापाप्त्वा त्वं कर्त्तव्यं त्वं ॥

नामादेशाश्रवाद्यमातलस्थित  
शुभ्रं शुद्धं शुग्य शुभं शुभं ॥  
शुभं शुभं शुभं शुभं शुभं ॥

ଉତ୍ତରାଧିକାରୀହିନ୍ଦୁଶବ୍ଦାବେଶର୍ମାପୂର୍ଣ୍ଣପ୍ରୟୋ



୮ୟଶୁଅ·କୁଳ·ପରି·୧ାନ୍ଦ·ପାଶୁଅ·ଶ୍ରୀ·ଏ·ମେ...  
 ଶ୍ରୀ·ରଙ୍ଗପାତ୍ର·ହୁ·ପରି·ନାନ୍ଦିଶ||  
 ଶ୍ରୀପାତ୍ର·ହୁଶ·କୁଳ·ଶ୍ରୀପାତ୍ର·ଶ୍ରୀଶ·କୁଳ·ହୁଶ·ଶ୍ରୀପାତ୍ର·  
 ନାନ୍ଦି·ପରି·ପଶୁଅ·ଶ୍ରୀ·କୁଳ||  
 ଅନ୍ଦିଶ·ହୁଶ·ପଶୁଅ·ପରି·ଶ୍ରୀଶ·କୁଳ·ହୁଶ·ପଶୁଅ...  
 ପରି·୧ାନ୍ଦି·ନାନ୍ଦି·ପଶୁଅ·ପା||  
 କୁଳ·ପା·ଶ୍ରୀଶ·ପା·ନାନ୍ଦି·ହୁଶ·ଶ୍ରୀଶ·ପା·ଅଜ୍ଞା·ପେର·ଶ୍ରୀଶ...  
 ଅନ୍ଦିଶ·ପା·ହୁଶ||  
 ଶ୍ରୀପାତ୍ର·ଶ୍ରୀଶ·କୁଳ·ଶ୍ରୀପାତ୍ର·ଶ୍ରୀଶ·କୁଳ·ଶ୍ରୀଶ·ପଶୁଅଶ·  
 ପରି·ରଙ୍ଗପାତ୍ର||  
 ଶ୍ରୀପାତ୍ର·ଅନ୍ଦି·ରଙ୍ଗପାତ୍ର·ହୁଶ·ଶ୍ରୀଶ·ପଶୁଅ·ପରି·ହୁଶ·ପଶୁଅ...  
 ଶ୍ରୀଶ||  
 ପଶୁଅ·ରଙ୍ଗପାତ୍ର·ଅନ୍ଦି·ନାନ୍ଦି·ପଶୁଅ·ଶ୍ରୀଶ·ପରି·ଶ୍ରୀଶ...  
 ଅନ୍ଦିଶ||  
 ଶ୍ରୀ·ନାନ୍ଦି·ପଶୁଅ·ପରି·ଶ୍ରୀ·ନାନ୍ଦି·ଅନ୍ଦିଶ·ଶ୍ରୀ·ଶ୍ରୀଶ·କୁଳ·ଅନ୍ଦିଶ||

અનેથી યેવાં કરી શકતો હોય ॥  
એવાં અત્યારે રહેતું હોય અને આપણાં રહેતાં ॥  
તો પણ કેવાં કરી શકતો હોય અને ગુજરાતીનાં ॥  
નાનાં પણ એવાં શુણેલો જો શુણેલો ગુજરાતીનાં ॥  
દ્વારા ઉત્તેજિત અને વિવિધ અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
બાદનાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
જેવાં કરી શકતો હોય અને એવાં પણ એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
નાનાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
રહેતું હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥  
એવાં એવાં જો ગુજરાતીનાં હોય અને એવાં જો ગુજરાતીનાં ॥

୫. ନର. ଶ୍ରୀ. ପିତା. ପୁଣ୍ୟ. ଶ୍ରୀ. ଶ୍ରୀନାଥ. ନନ୍ଦ. ଶବ୍ଦ. ପଦ. କୁନ୍ଦ. ବନ୍ଦ. ପାଞ୍ଚବ. ପ. ମ. ୧୦  
ଶତିଶା। ଅବ. ନର. ଅର୍ଜନ. ପଦି. କେନ୍ଦ୍ର. ନୁ. କାଳ. ସବ. ପାଞ୍ଚଦ. ପା। ନରୀଶ.  
କେନ୍ଦ୍ର. ନାନୁପ. ପଦି. କେନ୍ଦ୍ର. ନୁ. ନନ୍ଦନ. ନର. ପାଞ୍ଚବ. ପାଣ୍ଡି। ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ଶଶୁଭ.  
ଶ୍ରୀ। ଶ୍ରୀନାଥ. ପାଞ୍ଚଦ. କୁଶ. ପଦ. ପାନ୍ଦି। ଶ୍ରୀ. କେ. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ହଣ୍ଡା. ପାଞ୍ଚଦ. ପାଣ୍ଡି।  
ପାଞ୍ଚଦ. ପାଶ. ଅହଣ୍ଡା. ପାଞ୍ଚଦ. ପାଣ୍ଡି।

ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ଦୈ. ହି. ପଞ୍ଚବ. ଶବ୍ଦ. ଅ. ନବ. ପ. ନନ୍ଦ. ଦୈ। ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ଶଶୁଭ.  
ପାନ୍ଦି. କୁପ. ଅର୍କଣ. ନୁ. ସୁମନ୍ଦା. ପାଞ୍ଚଦ. କେନ୍ଦ୍ର. ହଣ୍ଡା. ପାଶଗନ୍ଧା. ଶ୍ରୀନାଥ. ଶ୍ରୀନାଥ.  
ଶ୍ରୀନାଥ. ନେ. ଶବ୍ଦଶ. କୁଶ. ଶ୍ରୀ. ଶ୍ରୀ. ନନ୍ଦନ. ଅର୍ଦନ. ଦଶ. ଶଶୁଭ. ପାଞ୍ଚଦ. ନନ୍ଦ.  
ନୁ. ଶବ୍ଦ. ଅ. ଶବ୍ଦ. ନନ୍ଦନ. ଶ୍ରୀ. ଶ୍ରୀ. ନନ୍ଦନ. ନନ୍ଦନ. ନନ୍ଦନ. ନନ୍ଦନ. ପାଞ୍ଚଦ. ପାଣ୍ଡି.  
ପାନ୍ଦି. ଶ୍ରୀ. ତବ. ନୁ. ପାଞ୍ଚଦା. ପାଞ୍ଚଦ. ଶ୍ରୀ. ଶ୍ରୀ. ନରୀଶ. ଶଶୁଭ. ପାଞ୍ଚଦ. ପାଣ୍ଡି.  
ଅଦି. ନନ୍ଦନ. ଶ୍ରୀ. ଅର୍ଦନ. ଶ୍ରୀ. ଅର୍ଦନ. ପଦ. ପାନ୍ଦି. କୁପ. ପାନ୍ଦି. କୁପ. ଶ୍ରୀ. ପାଞ୍ଚଦ.  
ଶ୍ରୀ. ପ. ନନ୍ଦନ. ପାନ୍ଦି. କୁପ. ଶ୍ରୀ। ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ.

ଏ. ଦଶ. କାଳ. ନନ୍ଦ. ପୁର. ପ୍ରାପ. ଦୈଶ. ପାଣ୍ଡି. ଶଶୁଭ।

ନନ୍ଦ. ପାଞ୍ଚଦ. ନନ୍ଦ. ଶଶୁଭ. ପନ୍ଦ. କେବ. ଏ. ଶଶୁଭ. କୁପ।

ଶବ୍ଦ. ନନ୍ଦନ. କାଳ. ହଣ୍ଡା. ମଧ୍ୟର. ଶଶୁଭ. ନନ୍ଦନ. ପାଣ୍ଡି. ଶଶୁଭ।

ଶ୍ରୀ. ଶଶୁଭ. ନନ୍ଦ. ଶ୍ରୀ. ଶବ୍ଦ. ଅର୍ଦନ. ପାଞ୍ଚଦ. ପ. ନନ୍ଦନ।

ଶଶୁଭ. ଶ୍ରୀ। ହି. ପଞ୍ଚବ. ନବ. ପ. ନନ୍ଦ. ଦୈ. ପାନ୍ଦି. ନନ୍ଦ. ନୁ. ଶଶୁଭ. ଶଶୁଭ।

असि·न्दुइदर्श·सु·हीन·परि·मि·सेष·गुरुद्वं·रहिंद्·मृ·रक्तिं·य·पर्ण·श्रेष्ठ  
जींद·श्वं·हेत्पर्ण·मृ·प्रेत·तव·सर्वाश·ठद्व·अवश्व·मृद्व·तव्व·त्वं·पद्मा...  
शुद्धद्व·असि·अर्केव्व·य्य·नद्व·गुरुद्व·सु·मेद्व·पद्व·पद्म·हुम्व·त्वं·  
त्वं·मि·सेष·गुरुद्वं·रहिंद्·मेद्व·परि·नद्व·य्य·त्वं·गुरुद्व·मृद्व·पद्म·  
त्वं·नद्व·नद्वेद्व·पद्म·मृद्व·गुरुद्व·त्वं·गुरुद्व·मृद्व·त्वं·त्वं·  
कुर्व·अहसि·पर्णद्व·पद्म·ज्ञान्व·त्वं·गुरुद्व·पर्ण·त्वं·गुरुद्व·मृद्व·  
त्वं·पर्णद्व·पद्म·ज्ञान्व·परि·रहिंद्·गुरुद्व·सु·मृद्व·य्य·त्वं·त्वं·  
अवश्व·पर्ण·पद्म·ज्ञान्व·परि·रहिंद्·गुरुद्व·सु·मृद्व·य्य·त्वं·त्वं·  
नद्व·पल्लेव्व·मि·सर्वाश·कुर्व·परि·मृद्व·रहिंद्·त्वं·  
नद्व·श्व·त्वं·मेद्व। | गुरुद्व·य्य·गुरुद्व·मृ·पद्मा·त्वं·त्वं·त्वं·  
त्वं·पर्ण·त्वं·मेद्व। | गुरुद्व·य्य·गुरुद्व·मृ·पद्मा·त्वं·त्वं·त्वं·  
त्वं·पर्ण·त्वं·मेद्व। | गुरुद्व·य्य·गुरुद्व·मृ·पद्मा·त्वं·त्वं·त्वं·

पर्णपर्ण·वद्व·र्णद्व·वृष्ट्व·रक्ष्य·हेत्पर्ण·पक्षे·पर्ण॥

गुप्त्व·पर्ण·हीन·रहिंद्·त्वं·पर्ण·त्वं·त्वं·त्वं·  
त्वं·पर्ण·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·

त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·

त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·

त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·

त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·

त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·त्वं·

କୁ. ପାଣିଷା. ବୁଦ୍ଧ. ଶୁଦ୍ଧ. ଅନ୍ତିମ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ. ପ୍ରକାଶ. ଶୁଣ୍ଡକ. ଅନ୍ତିମ. . . .  
କିମ୍ବା। ଦୂରାଷ. ସୁଦ୍ଧ. ଅନ୍ତିମ. ଶୁଣ୍ଡକ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଅନ୍ତିମା।  
ଶପାଶ. ଦୂରାଷ. ସୁଦ୍ଧାଶ. ହୃଦୟ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ। ଶୁଣ୍ଡକ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଅନ୍ତିମ. ପରି.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ॥ ବୈଷ୍ଣବ. ପାତ୍ର. ଲୁଦ୍ଧ. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ଅନ୍ତିମ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ଶୁଣ୍ଡକ.  
ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ଦୂରାଷ. ପରି. ଶିଥାଶ. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ଶୁଣ୍ଡକ. . . .  
ଦୂରାଷ. ॥ ମନୀ. ଆ. ମନୀ. ଶୁଣ୍ଡକ. ପରି. ଶିଥାଶ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ.  
ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଅନ୍ତିମ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଦୂରାଷ. ପରି. ମନୁଷ୍ୟ. ଶୁଣ୍ଡକ. ଆ. ଲୋହ. ପରି.  
ଅଶର. ପାତ୍ରିଷ. ଦୂରାଷ. କେତ୍କଦ. ଶୁଣ୍ଡକ. । ଦୂରାଷ. ବିଷ୍ଣୁ. ମନୁଷ୍ୟ. ପରି. ଦୂରାଷ.  
ପରି. ଅଶର. କୁଳ. ଦୂରାଷ. ଶୁଣ୍ଡକ. । ଶୁଣ୍ଡକ. ରମେଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଅଶର. ମନୁଷ୍ୟ.  
ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ॥ ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ॥ ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ॥ ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ. ପରି. ଦୂରାଷ. ଶିଥାଶ.  
ଶୁଣ୍ଡକ. ॥